चंदन की लकड़ी से बनी बुद्ध प्रतिमा

प्रिलिम्स के लिये:

बौद्ध धर्म की उत्पत्ति, मुद्राएँ, बौद्ध धर्म के सिद्धांत, चंदन।

मेन्स के लिये:

बौद्ध धर्म का महत्त्व, भारतीय साहित्य, प्राचीन भारत में बौद्ध धर्म का प्रसार।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा को उनकी दो दिवसीय राजकीय यात्रा के दौरान **चंदन की लकड़ी से बनी बुद्ध प्रतिमा** भेंट की।

- चंदन की लकड़ी से बनी इस मूर्ति में बुद्ध को **बोधि वृक्ष** के नीचे **'ध्यान मुद्रा'** में बैठे हुए दर्शाया गया है।

चंदन:

- **परिचय: संतालम/सैंटालम एलबम** को आमतौर पर **भारतीय चंदन** के रूप में जाना जाता है, यह चीन, भारत, इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस में पाई जाने वाली **शुष्क पर्णपाती वन प्रजाति** है।
  - चंदन लंबे समय से भारतीय विरासत एवं संस्कृति से जुड़ा हुआ है और **विश्व के चंदन व्यापार में देश ने 85% का योगदान दिया।** हालाँकि हाल में इसमें तेज़ी से गिरावट आई है।
- **विशेषता:** इस उष्णकटिबंधीय पेड़ की ऊँचाई 20 मीटर तक होती है और इसकी लकड़ियाँ **लाल होती हैं तथा इसकी छाल कई गहरे रंगों** (गहरा भूरा, लाल तथा गहरा स्लेटी) की होती है।
- **उपयोग:** इसकी लकड़ी **मज़बूत और टिकाऊ** होती है, इसलिये इसका अधिकांश उपयोग किया जाता है।
  - भारतीय चंदन को **आयुर्वेद** की **सबसे पवित्र जड़ी बूटियों** में से एक माना जाता है।
- **भारत में वितरण:** भारत में चंदन ज़्यादातर आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, बिहार, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में उगाया जाता है।
  - कर्नाटक को कभी-कभी **'गांधार गुड़ी'** अथवा **चंदन की भूमि भी कहा जाता है।** चंदन पर नक्काशी की कला सदियों से कर्नाटक की सांस्कृतिक विरासत का अभिन्न अंग रही है। इसकी उत्पत्ति तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में देखी जा सकती है। राज्य ने संसाधनों का निरंतर प्रबंधन सुनिश्चित करने के लिये **चंदन विकास बोर्ड** की स्थापना की है।
- **IUCN रेड लिस्ट स्थिति: सुभेद्य**

बौद्ध धर्म में मुद्राएँ:

- **बौद्ध धर्म** में मुद्रा **हस्त संकेत अथवा अवस्थाएँ हैं जिनका उपयोग ध्यान** और अन्य अभ्यासों के दौरान किया जाता है ताकि मन को केंद्रित करने, ऊर्जा को नियंत्रित करने और बुद्ध की शिक्षाओं को प्राप्त करने में मदद मिल सके।
  - **ध्यान मुद्रा:** इस मुद्रा में **हाथों को गोद में रखा जाता है, इसमें दाहिना हाथ बाएँ हाथ के ऊपर होता है और अँगूठे को स्पर्श करता है।**
    - यह मुद्रा ध्यान, एकाग्रता और आंतरिक शांति की प्रतीक है।
  - **अंजलि मुद्रा:** यह बौद्ध धर्म में उपयोग की जाने वाली सबसे आम मुद्रा है और इसमें हथेलियों को छाती के सामने एक साथ दबाया जाता है, जिसमें उँगलियाँ ऊपर की ओर संकेत करती हैं।
    - यह सम्मान, अभिवादन और कृतज्ञता का प्रतीक है।
  - **वितर्क मुद्रा:** इस मुद्रा को **"शिक्षण मुद्रा" या "चर्चा मुद्रा"** के रूप में भी जाना जाता है और इसमें **दाहिने हाथ को ऊपर उठाने और अँगूठे एवं तर्जनी के माध्यम से वृत्त बनाना शामिल है।**

- यह ज्ञान के संचरण और बुद्ध की शिक्षाओं के संचार का प्रतीक है।

◦ **वरद मुद्रा:** इस मुद्रा में **दाहिना हाथ नीचे की ओर फैला होता है, जिसमें हथेली बाहर की ओर होती है।**
  - यह उदारता, करुणा और इच्छाओं को पूरा करने का प्रतीक है।

◦ **अभय मुद्रा:** इस मुद्रा में दाहिने हाथ को कंधे की ऊँचाई तक ऊपर उठाना शामिल है, जिसमें हथेली बाहर की ओर होती है।
  - यह निडरता, सुरक्षा और नकारात्मकता को दूर करने का प्रतीक है।

◦ **भूमिस्पर्श मुद्रा:** इस मुद्रा में **दाहिने हाथ की उँगलियों से ज़मीन को छूना शामिल है, जबकि बायाँ हाथ गोद में रहता है।**
  - यह बुद्ध के ज्ञानोदय के क्षण को प्रदर्शित करता है और ज़मीन की तरफ संकेत पृथ्वी उनके ज्ञानोदय की साक्षी की प्रतीक है।

◦ **उत्तरबोधी मुद्रा**: इस मुद्रा में **दोनों हाथों को जोड़ कर हृदय के पास रखा जाता है और तर्जनी उँगलियाँ एक-दूसरे को छूते हुए ऊपर की ओर होती हैं तथा अन्य उँगलियाँ अंदर की ओर मुड़ी होती हैं, जिससे त्रिभुज के आकार का निर्माण होता है।**
  - यह मुद्रा ज्ञान और करुणा के संगम, पुरुषत्व एवं स्त्रीत्व ऊर्जा के संतुलन तथा स्वयं के सभी पहलुओं के एकीकरण के माध्यम से ज्ञान प्राप्ति का प्रतिनिधित्व करती है।

◦ **धर्मचक्र मुद्रा**: इसमें **हाथों को हृदय के सामने रखा जाता है और प्रत्येक हाथ के अँगूठे और तर्जनी से एक वृत्त का निर्माण किया जाता है। प्रत्येक हाथ की शेष तीन उँगलियाँ ऊपर की ओर होती हैं,** जो बौद्ध धर्म के त्रि-रत्नों- **बुद्ध, धर्म (उनकी शिक्षाएँ) और संघ (अनुयायियों का समुदाय)** का प्रतिनिधित्व करती हैं। अँगूठे और तर्जनी द्वारा निर्मित वृत्त धर्म चक्र का प्रतिनिधित्व करता है।
  - यह मुद्रा जन्म, मृत्यु और पुनर्जन्म के निरंतर चक्र तथा बुद्ध की शिक्षाओं को इस चक्र से मुक्त होने के साधन के रूप में दर्शाती है।

◦ **करण मुद्रा:** इसमें **बायाँ हाथ हृदय तक ऊपर लाया जाता है और हथेली आगे की ओर होती है। तर्जनी तथा छोटी उँगलियाँ सीधी ऊपर की ओर संकेत करती हैं, जबकि अन्य तीन उँगलियाँ हथेली की ओर मुड़ी हुई होती हैं।**
  - यह मुद्रा अक्सर बुद्ध या बोधिसत्व के चित्रण में देखी जाती है, जिसे सुरक्षा और नकारात्मकता को दूर करने के प्रतीक के रूप में देखा जाता है। कहा जाता है कि तर्जनी ज्ञान की ऊर्जा और बाधाओं को दूर करने की क्षमता का प्रतिनिधित्व करती है।

◦ **ज्ञान मुद्रा:** इसमें **तर्जनी और अँगूठे को एक साथ लाकर एक वृत्त का निर्माण किया जाता है, जबकि अन्य तीन उँगलियों को बाहर की ओर रखा जाता है।**
  - यह इशारा सार्वभौमिक चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना की एकता और बुद्ध की शिक्षाओं के मध्य व्यावहारिक संबंध का प्रतिनिधित्व करता है।

◦ **तर्जनी मुद्रा:** इसमें तर्जनी **उँ**गुली को ऊपर की ओर बढ़ाया जाता है, जबकि अन्य **उँ**गलियों को हथेली की ओर मोड़ा जाता है। तर्जनी मुद्रा, जिसे "भय के इशारे" के रूप में भी जाना जाता है।
  - इसका उपयोग बुरी ताकतों या हानिकारक प्रभावों के खिलाफ चेतावनी या सुरक्षा के प्रतीक के रूप में किया जाता है।

Bhumisparsa Mudra
Touching the earth as Gautama did, to invoke the earth as witness to the truth of his words.

Varada Mudra
Fulfilment of all wishes; the gesture of charity.

Dhyana Mudra
The gesture of absolute balance, of meditation. The hands are relaxed in the lap, and the tips of the thumbs and fingers touch each other. When depicted with a begging bowl this is a sign of the head of an order.

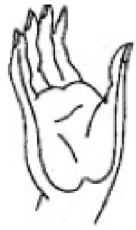

Abhaya Mudra
Gesture of reassurance, blessing, and protection. "Do not fear."

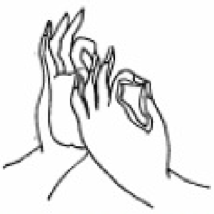

Dharmachakra Mudra
The gesture of teaching usually interpreted as turning the Wheel of Law. The hands are held level with the heart, the thumbs and index fingers form circles.

Vitarka Mudra
Intellectual argument, discussion. The circle formed by the thumb and index finger is the sign of the Wheel of Law.

Tarjani Mudra
Threat, warning. The extended index finger is pointed at the opponent.

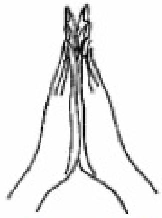

Namaskara Mudra
Gesture of greeting, prayer, and adoration. Buddhas no longer make this gesture because they do not have to show devotion to anything.

Jnana Mudra
Teaching. The hand is held at chest level and the thumb and index finger again form the Wheel of Law.

Karana Mudra
Gesture with which demons are expelled.

Ksepana Mudra
Two hands together in the gesture of 'sprinkling' the nectar of immortality.

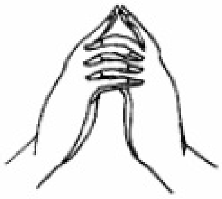

Uttarabodhi Mudra
Two hands placed together above the head with the index fingers together and the other fingers intertwined. The gesture of supreme enlightenment.

//

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

प्रश्न. भगवान बुद्ध की प्रतमिा कभी-कभी एक हस्त मुद्रा युक्त दखिाई गई है, जसि 'भूमस्पिर्श मुद्रा' कहा जाता है। यह कसिका प्रतीक है?

(a) मार पर दृष्टि रखने एवं अपने ध्यान में वघि्न डालने से मार को रोकने के लयि बुद्ध का धरती का आह्वान
(b) मार के प्रलोभनों के बावजूद अपनी शुचिता और शुद्धता का साक्षी होने के लयि बुद्ध का धरती का आह्वान
(c) बुद्ध का अपने अनुयायियों को स्मरण कराना कि वे सभी धरती से उत्पन्न होते हैं और अंततः धरती में वलीन हो जाते हैं, अतः जीवन संक्रमणशील है

(d) इस संदर्भ में दोनों ही कथन (a) एवं (b) सही हैं

उत्तर: (b)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/sandalwood-buddha-statue